

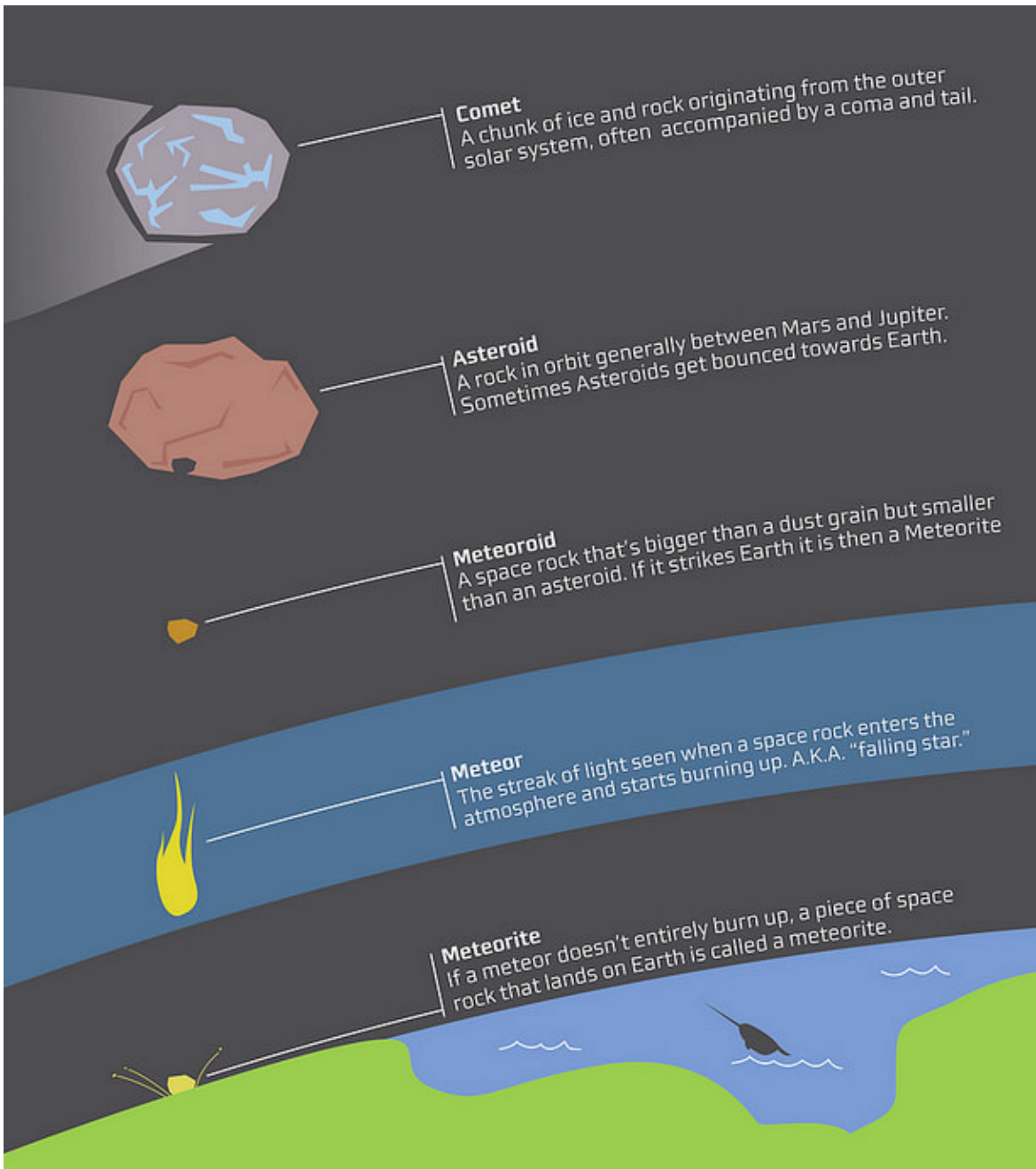
परसडि उल्का बौछार

स्रोत : द हट्टि

वर्ष 2024 में [परसडि उल्का बौछार \(परसडि मेटोर शवर-Perseid Meteor Shower\)](#) जुलाई के आसपास शुरू हुआ और अगस्त के अंत तक चरम गतिविधियों के साथ 11 से 13 अगस्त, 2024 तक जारी रहा।

- परसडि उल्का कॉमेट स्वफिट-टटल द्वारा पीछे छोड़े गए मलबे हैं, जो सूर्य की एक अण्डाकार पथ में परकिरमा करते हैं, जिसमें एक परकिरमा में 133 वर्ष लगते हैं।
 - माना जाता है कि **परसडि नाम**, **परसयिस नक्षत्र** से लिया गया है।
 - कॉमेट जमे हुए अपशषिट हैं, जो **धूल, चट्टान और बर्फ** से बनी सौर प्रणाली के गठन से बने होते हैं।
- जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर अपने मार्ग को काटते हुए **मलबे के बादल (cloud of debris)** से होकर गुजरती है, तो **पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण** मलबे को खुद की ओर आकर्षित करता है, जिससे **उल्का बौछार** उत्पन्न होती है।
- एक उल्का बौछार वर्ष के एक विशेष समय में अंतरिक्ष से **पृथ्वी पर उल्काओं (अंतरिक्ष में चट्टान के छोटे टुकड़े)** की वर्षा है।
 - अधिकांश उल्का **वातावरण** में जलकर नष्ट हो जाते हैं।
 - कुछ उल्का जनिका वायु के माध्यम से अधिकि स्पर्शरेखा मार्ग (**tangential path**) होता है, वे छोटे आग के गोले (**fireball**) का उत्पादन करते हैं।
- उल्काओं को "शूटिंग स्टार" के नाम से जाना जाता है: प्रकाश की चौंका देने वाली धारियाँ जो अचानक आकाश में दिखाई देती हैं जब बाहरी अंतरिक्ष से धूल का कण पृथ्वी के वायुमंडल में ऊपर वाष्पित हो जाता है। हम वायुमंडल में प्रकाश की घटना को "उल्का" कहते हैं, जबकि धूल के कण को "**उल्कापडि**" कहा जाता है।

//



और पढ़ें: [सर्काई कैनवस: कृतरमि उलका वरषा](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/perseid-meteor-shower>